दिनांकः 25/02/2023

रिपोर्ट

राजनीति विज्ञान विभाग के अन्तर्गत स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के तत्वाधान में 25 और 26 फरवरी 2023 को दो दिवसीय रष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शीर्षक "पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन एवं 21वीं शदी में राष्ट्रीय नवनिर्माण है कार्यक्रम का शुभारंभ सरास्वती प्रतिमा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रतिमा पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ आये हुए अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत **विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पंकज कुमार** ने किया स्वागत करते हुए पीठ की। स्थापना और उसके उद्देश्य के विविध पक्षों पर मार्गदर्शन किये। प्रोफेसर पंकज कुमार ने इस तरह के कार्यक्रम के साथ गतिविधि आधारित कार्यक्रम शुरू करने की बात की ।जिसमें चिन्तन से आगे गतिविधि से पंडित जी के चिन्तन के अनुपालन में बनी नीतियां और योजनाओं का प्रभाव क्या है तभी पता चलेगा । साथ ही इससे उभरने वाली चुनौतियों का यथार्थ प्रकट होगा जो नीति निर्माण और कार्यक्रम में मार्गदर्शन का कार्य करेंगे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पंकज कुमार ने इसके साथ ही विभाग में शिक्षक की नियुक्ति और उसके प्रभाव को भी उल्लिखित किया है।। साथ ही ऐसी स्थित को लाने में शिक्षकों की नियुक्ति के ऐतिहासिक और सबसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए विश्वविद्यालय के यशस्वी माननीय कुलपति महोदया **प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव** के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इसके क्रम में मुख्य अतिथि कुलपति सांची बुध्द भारतीय विश्वविद्यालय**, प्रोफेसर नीरजा गुप्ता ने** अपने विचार व्यक्त किए जिसमें उन्होंने इंडिया और भारत के बीच अंतर करते हुए इंडिया के भारत बनने की प्रक्रिया से अपनी बात शुरू की। साथ ही मुख्य मार्गदर्शन मानसिकता में बदलाव और उसके प्रभाव की चर्चा करते हुए कहा कि आखिर पंडित दीनदयाल को पढ़ने और उन पर कार्य करने की आवश्यकता के विविध पक्ष को उजागर करने का कार्य किया है। अपने चयन और कार्यों को लेकर और उसके प्रभाव की बात की। साथ ही जी 20 की थीम पर भी अपनी बात की जिसमें भारत को लोकतंत्र की जननी कहा है। भारत की परंपरा की चर्चा वैश्विक परंपरा के संदर्भ में भारत की सामाजंस्य और समन्वयकारी पक्षों की बात की ।अंततः एकात्म मानव वाद के विविध पक्षो को उजागर किया है

।भारतीय परंपरा में पूज्यनीय वह नहीं जिसके पास ताकत है सम्पत्ति है वरन् पूज्यनीय वह है जिसने सब कुछ त्याग दिया है समाज का चिंतन करते हुए समाज के लिए।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आर के मिश्र पूर्व विभागध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा की दीनदयाल जी भारतीय मनीषा के निष्कर्ष है। उनके चिन्तन में भारतीय शासन विधान और उसके विविध पक्षो तक धीरे-धीरे ले गए ।बिना सिद्धांत के कोई व्यवहार नही है। बिना सिद्धांत के सम्यकव्यवहार नहीं हो सकता। आज की चुनौती व्यवहार नही वरण सिद्धांत है। इस लिए उचित सिद्धांत दिशादर्शक का कार्य करते है। इस लिए इन पर व्यवस्थित चिन्तन और व्यवहार की आवश्यकता है, पर बल दिया। साथ ही संदर्भ अनुसार जय प्रकाश नारायण लालबहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व और भारतीय राजनीति में मार्गदर्शक व्यक्तित्व के रूप में चर्चा की। साथ ही आगे बढ़ते पंडित जी के चिंतन और व्यवहार , तथा उनके द्वारा देश के सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में शासन विधान की आवश्यकता और उसके महता पर दिया। पंडित जी देश की राजनीति की बात करते थे।

सत्र के अंतिम चरण में पीठ के **चेयर प्रोफेसर प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार** धन्यवाद और अध्यक्षीय उद्बोधन दिए। जिसमें पीठ की स्थापना के उद्देश्य और आदर्श को रेखांकित किया है जिसमें कहा कि यह पवित्र नदियों का संगम होने के साथ संस्कृति का संगम स्थल, विचारों का संगम स्थल है। साथ पंडित जी के विचारों की आवश्यकता पर बल दिया है। स्वतंत्रता के उपरान्त अपनाए गए विकास प्रतिमान समाज राष्ट्र की समस्याओं और चुनौतियों का निराकरण नहीं हो सकें हैं। इस लिए आवश्यकता है कि पंडित जी के विचारों को संगोष्ठी से आगे लक्ष्योन्मुख गतिविधियों तक ले जाकर राष्ट्रीय चुनौतियों और समस्याओं का निराकरण कर विकास के एकीकृत लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। इस लिए विकास के नए प्रतिमान जो पंडित जी के विचारों और व्यवहार के अनुसार कार्य करते हुए वर्तमान में व्यक्ति और समाज के द्वन्द के बजाय सहयोग प्रकृति और मनुष्य के बीच द्वन्द के बजाय सहयोग से समाज और मानवता सतत सम्बहनीय हो सकेगी।

इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, डॉ0 हरी सिंह गौड़ विश्वविद्यालय सागर, पटना विश्वविद्यालय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, पडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, ग्रामोदय शोध संस्थान चित्रकूट आदि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

पं.दीनदयाल के एकात्म मानववाद पर रखे विचार

संगोष्ठी

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अंतर्गत स्थापित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर से आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन रविवार को हुआ। मुख्य अतिथि जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा के पूर्व कुलपति प्रो. हरकेश सिंह ने कहा कि भारतीय राजनीतिक जीवन में जिन मनीषियों का जिक्र किया जाता है उसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम प्रमुख है। उनके एकात्म मानववाद, राष्ट्र, विराट आदि पक्षों को व्यक्त किया।

प्रो. रिपुसूदन सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में स्पष्ट किया। पाश्चात्य परंपरा से तुलना करते हुए कहा कि पाश्चात्य परंपरा में जीवन को टुकड़ों में देखने की परंपरा है जिसकी वजह से व्यक्ति एक दूसरे के विरुद्ध खड़े पाए जाते हैं। जबकि भारतीय परंपरा जिसकी बात पंडित दीनदयाल उपाध्याय करते हैं जो व्यष्टि से समष्टि की बात करती है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. तेज प्रताप सिंह ने उन चुनौतियों और पक्षों को भी दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन के परिपेक्ष में उजागर किया जो भारत को परम वैभव और विश्व गुरु बनाने में साधक हो सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. पंकज कुमार, प्रो. वीके राय, प्रो अनुराधा कुमार, प्रो. बुडानिया, डॉ. कार्तिकेय, डॉ. सूर्य भान, डॉ. निहारिका, डॉ. आशीष धर त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

2023.02.27 07:48

ग)

26/02/2023 "हिन्दुस्ता

पूज्यनीय वह है, जिसने अपना सब कुछ त्याग दिया

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर से दो दिनी रष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शनिवार को हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन एवं 21वीं शदी में राष्ट्रीय नवनिर्माण है विषय पर मुख्य अतिथि सांची बुद्ध भारतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता ने कहा कि पूज्यनीय वह नहीं है जिसके पास ताकत है और सम्पत्ति है, वरन पूज्यनीय वह है जिसने अपना सब कुछ त्याग दिया है।

विभागाध्यक्ष प्रो. पंकज कुमार ने कहा कि पंडित दीन दयाल शोध पीठ में गतिविधि आधारित कार्यक्रम शुरू करने से दीन दयाल के चिंतन के अनुपालन में बनीं नीतियां और योजनाओं का प्रभाव क्या है, यह पता चलेगा। प्रो. आर के मिश्र ने कहा कि पंडित दीनदयाल भारतीय मनीषा के निष्कर्ष हैं। पीठ के चेयर प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने कहा कि यह पवित्र नदियों का संगम होने के साथ संस्कृति का संगम स्थल, विचारों का संगम स्थल है। डॉ. आशीष धर त्रिपाठी, प्रो. अनुराधा कुमार, प्रो. वीके राय, डॉ. सूर्य मान सिंह, डॉ. कार्तिकेय मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

2-day seminar to discuss ideas of Pt Deendayal Upadhyaya held in AU

PRAYAGRAJ : The two-day national seminar on 'Pandit Deendayal Upadhyaya's Thinking and Nation Building in the 21st Century', organised at Allahabad University (AU), concluded on Sunday. The seminar -- held by the Pandit Deendayal Upadhyaya Chair, department of Political Science -- was part of the series of initiatives towards developing an understanding of the ideas and work of the great thinker and politician and his contribution to nation-building.

The seminar witnessed the congregation of the vice-chancellors, educationists, and professors from various universities like the Sanchi Buddhist Indic University, Bhopal, Banaras Hindu University BHU), Lucknow University, Kumaun University, Nainital and Jawaharlal Nehru University (JNU). Participants from various universities across India presented their papers in this seminar.

Allahabad University FILE PHOTO

The concluding day of the national seminar saw Professor Ripusudan Singh, dean, faculty of Social Science, Babasaheb Ambedkar University, Lucknow, discussing the idea of "Dharma Rashtravaad". Professor TP Singh, department of Political Science, BHU, cited Deendayal Upadhyaya's thought in the context of environment, globalisation, and welfare state. He observed that globalisation is inherent in the idea of Vasudhaiva Kutumbukam i.e. the world is one family. He also pointed out that the concept of welfare state is related to the idea of Sarve Bhavatu Sukhinah.

Professor Ashwani Mohapatra from Centre for West Asian Studies, School of International Studies, JNU, was the guest of honour. He pointed out that western ideas are not inclusive, they are hegemonic and do not recognise diversity. He also discussed how the idea of Viswa Guru can be developed further.

The valedictory address was delivered by Professor Harikesh Singh, former V-C, Jai Prakash University, Chapra, Bihar. He laid stress on nation-building through education and universities. The session concluded with a vote of thanks by Professor Madhurendra Kumar.

Earliar, on Saturday, Professor Pankaj Kumar, HoD Political Science, AU welcomed the dignitaries. The chief guest of the event, Professor Neeraja Gupta, V-C, Sanchi Buddhist Indic University, Bhopal, talked about the need to fight the colonial mindset. She highlighted the values of Chiti, Ekatm, and Virat in thinking of Deendayal Upadhyaya. HTC

दिनांक: 11.05.2023

रिपोर्ट

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, ने ग्राम सम्पर्क अभियान के तहत सोरॉव ब्लाक के गाँवों का दौरा शुरू कर योजनाओं के जमीनी हकीकत की पड़ताल शुरू की –

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, ने केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर संचालित व शासन की अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं की भी जमीनी हकीकत जानने के लिए ग्राम सम्पर्क अभियान की शुरूआत की है।

ग्राम सम्पर्क अभियान के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ के **चेयर प्रोफेसर (प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार)** के नेतृत्व में आज प्रयागराज के सोरॉव विकास खण्ड के माधोपुर उर्फ सधनगंज ग्राम सभा का दौरा कर ग्राम – चौपाल के साथ ही पंचायत भवन में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ भी बैठक कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी सच्चाई की पड़ताल के साथ ही भविष्य की चुनौतियाँ सम्भावनाएँ और ग्रामीण विकास तथा स्वावलम्बन हेतु सरकार और विश्वविद्यालय की मंशा और सुझाव से भी अवगत कराया।

महिलाओं के 10 स्वयं सहायता समूह के कार्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय और कौशल विकास के साथ ही प्रधानमंत्री आवास, हर घर नल और जल, शौचालय, विद्युतीकरण तथा पेंशन योजनाओं, शिक्षा स्वास्थ्य आदि की स्थिति पर भी पर भी शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी कर सुगमता से कार्य हेतु अपने विचार व्यक्त कर सुझाव भी ग्रामीणों से लिये गये।

चौपाल बैठक और ग्राम पंचायत भवन बैठक में मुख्य वक्ता चेयर प्रोफेसर (**प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार)** और विषय प्रवर्तन **चेयर के रिसर्च फेलो डॉ0 राजेश सिंह** ने किया। अध्यक्षता **ब्लाक प्रमुख प्रदीप पासी** व संचालन प्रदीप सोनी तथा धन्यवाद ज्ञापन ग्राम विकास अधिकारी मिथिलेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर पीठ के **तकनीकी सहायक अनुराग कुमार यादव** और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ ही सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

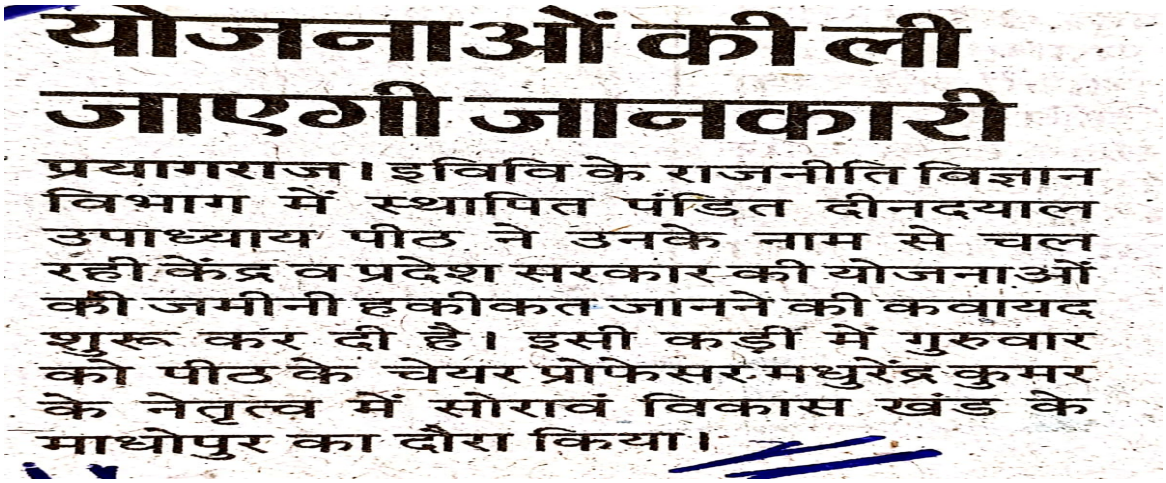

योजनाओं की ली जाएगी जानकारी

प्रयागराज। इविवि के राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ ने उनके नाम से चल रही केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में गुरुवार को पीठ के चेयर प्रोफेसर मधुरेंद्र कुमर के नेतृत्व में सोरांव विकास खंड के माधोपुर का दौरा किया।

दिनांकः 28.07.2023

रिपोर्ट

राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आज दिनांक 28.07.2023 दिन शुक्रवार को विभागध्यक्ष **प्रोफेसर वी0 के0 राय** की अध्यक्षता में विभाग द्वारा आउटरीज कार्यक्रम के तहत वीकर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं चर्चा – परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उनके मूलभूत अधिकारों, मानव अधिकार एवं व्यक्तित्व के विकास सम्बंधी मुद्दो पर जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने बड़ी तन्मयता के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम आउटरीज कार्यक्रम को प्रारम्भ करने की पहली कड़ी थी। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित डॉ0 निहारिका तिवारी, डॉ0 ऋतम्भरा मालवीय, डॉ0 सूर्यभान, डॉ0 कार्तिकेय मिश्र, डॉ0 आशीष धर त्रिपाठी एवं विभिन्न शोध छात्र जिनमें कृष्णा चौधरी, डॉ0 विकास शर्मा, सुजीत कुमार यादव, चन्द्रशेखर मीणा, मनजीत कुमार, सन्दीप कुमार सिंह ने 'वीकर पब्लिक स्कूल' न्यूकैंट अशोक नगर के विद्यार्थी से मानवाधिकार, मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्त्तव्यों पर बहुत सी बाते हुई। सभी विद्यार्थीयों ने परिचर्चा में उल्लासपूर्वक सहभागिता की । बच्चों ने बहुत से प्रश्न पूछे और प्रश्नों के उत्तर भी दिये, वार्तालाप के रूप में हुई चर्चा बहुत ही सहज सरल, आनंददायक व ज्ञानवर्धक रही।

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

दिनांकः 14.08.2023

रिपोर्ट

पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ, के तत्वाधान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में "मेरी माटी मेरा देश" कार्यक्रम के तहत "वीरों का वन्दन " कर शहीदों को याद किया गया एवं वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न -

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ, द्वारा दिनांकः 14.08.2023 को विभाग के लेक्चर हाल में **"मेरी माटी मेरा देश"** कार्यक्रम के तहत **"वीरों का वन्दन"** कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों को याद करते हुए उनके योगदान की चर्चा की गई और उन्हें श्रध्दा सुमन अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ विद्यार्थियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता **विभागाध्यक्ष प्रो. वी. के. राय व संचालन पीठ के चेयर प्रोफेसर प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने किया। मुख्य वक्ता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष सह डीन सी. डी. सी. प्रो. पंकज कुमार रहे**। कार्यक्रम के समापन पर विभाग के सामने लॉन में शहीदों की याद में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर विभाग के डॉ0 सूर्यभान सिंह, डॉ0 अंजन साहू, डॉ0 ऋतम्भरा मालवीय, डॉ0 स्मृति सुमन, डॉ0 शालनी प्रसाद, डॉ0 अर्पणा चौधरी, डॉ0 ऋचा श्रीवास्तव, डॉ0 पी. कपीसा, डॉ0 कार्तिकेय मिश्र, डॉ0 कमल कुमार, डॉ0 आशीष धर त्रिपाठी, डॉ0 लक्ष्मीनारायण बिन्दानी, डॉ0 प्रीतम, डॉ0 प्रकाश चित्तूर, डॉ0 चिन्ताला वेंककरमना, डॉ0 ए. चोन्नाम **पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ के डॉ0 राजेश सिंह, अनुराग यादव** विभाग के शोधार्थी मंजीत कुमार, संदिप सिंह, सुजीत यादव, आदि प्रमुख रूप से उपास्थित रहे।

दिनांक:26.08.2023

रिपोर्ट

भारत की बढ़ती सामर्थ्य से अमेरिका भारत की राह चुना:प्रो. एस. डी. मुनि

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ,राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, के द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्तीय सहयोग से 26,27 अगस्त 2023 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है भारत के" जिसका शीर्षक है |75 वर्ष ; मुद्दे चुनौतियां और अवसर | है" इसका उद्घाटन सत्र दिनांक 26 अगस्त 2023 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के **ईश्वर टोपा भवन** में दस बजे से | कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन कर मंचासीन अतिथियों और आयोजक के द्वारा किया गया | उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एस. डी. मुनि जो आई डी एस इ के कार्यकारी परिषद के सदस्य है। आपने 40 वर्षों तक अध्यापन और शोध किया मुख्य अतिथि के रूप में आप ने भारत की विदेश नीति और एशिया के विशेष सन्दर्भ में सभा का मार्गदर्शन किये। वर्तमान समय में भारतीय विदेश नीति में दो प्रमुख बदलाव को स्पष्ट किये जसमें प्रथम गुटन रपेक्षता से बसुधैव कुटुम्बकम की ओर उन्मुख होना तथा अमेरिका का भारत के प्रति छुकाव बढ़ाना । भारत ने तो स्वतंत्रता के बाद से ही कोशिस की परन्तु अमेरिका पाकिस्तान परस्ती और भारत की स्वतन्त्र विदेश नीति में दो बड़ी नीति दिखाई देती है स्वातंत्रता के बाद गुटनिरपेक्षता और अब वसुधैव कुटुम्बकम। प्रथम स्वतंत्रता की रक्षा और संवर्धन के लिए तो द्वितीय विश्व के कल्याण के द्वारा अपनी क्षमता के विस्तार के लिए कोविड 19 के समय भारत ने दुनिया को वैक्सीन देकर यह कार्य भी सफलतापरूर्वक किया है। प्रो. मुनि बदलते विश्व में भारत की प्राथमिकताओं की तरफ भी ध्यान आकर्षित किया जिसमें आप ने ग्लोबल साऊथ मीठ की बात की जिसमें 125 देशों ने प्रतिभाग किया। ये गुटनिरपेक्ष देश ही है परन्तु तब इनकी प्राथमिकता थी विउप्निवेशीकर्ण, विसैन्यीकरण और व्प्राप्त स्वतंत्रता की रक्षा तो अब प्राथमिकता में इसके साथ विकास और मृद्धि का आयाम प्रमुखता लेता हुआ दिखआई दे रहा है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारा, प्रो. संजीव शर्मा ने इसी क्रम में विषय. को रखते हुए भारतीय परम्परा में लोकतांत्रिक मूल्यों के विविध पक्षों को रखने का कार्य किया है साथ ही यह बताया की भारतीय

चिंतन परम्परा में किस प्रकार से एकात्मकता दिखाई देती है और विविधता की पोषक और स्वस्थ व्यक्तित्व निर्माण का कार्य करती हैज। प्रोफेसर शर्मा भारतीय राजव्यवस्था के 75 वर्ष में यात्रा के विविध पक्षों विशेष रूप से इउपलब्धियों और सीमाओं की ओर सबका ध्यान आकर्षित किए। माननीय कुलपति महोदया प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव जी के प्रतिनिधि रूप समें समाजशास्त्र के प्रो. आशीण सक्सेना ने भारतीय विदेश नीति के विविध पक्षों विशेष रूप चंद्रयान के सभल लैंडिंग को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर स्पष्ट किया है। सत्र के अंतिम चरण में गोष्ठी के आयोजक दीनदयाल उपाध्याय पीठ के चेयर प्रोफेसर प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा विभआग के साथियों का धन्यवाद किया है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में 14 प्रान्तों से प्रतिभागी उपस्थित रहे। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी. के. राय, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. पंकज कुमार, प्रो. अनुराधा कुमार तथा विभाग के अन्य सभी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के इस सत्र का मंच संचालन विभआग की डॉ. स्मृति सुमन ने किया है।

भारत की बढ़ती ताकत देखकर बढ़ा अमेरिका का झुकाव

- इवि में पंडित दीनदयाल शोधपीठ ने 'भारत के 75 वर्ष मुद्दे चुनौतियां और अवसर' पर कराया सेमिनार
- आइडीएसई कार्यपरिषद सदस्य ने गुटनिरपेक्षता, वसुधैव कुटुंबकम के सफर को बताया

जागरण संवाददाता, प्रयागराज: वर्तमान में भारतीय विदेश नीति में दो प्रमुख बदलाव हुए हैं। प्रथम गुटनिरपेक्षता से वसुधैव कुटुंबकम की ओर उन्मुख होना तथा दूसरा अमेरिका का भारत के प्रति झुकाव बढ़ना। भारत ने तो स्वतंत्रता के बाद से ही कोशिश की पर अमेरिका पाकिस्तान परस्ती और भारत की स्वतन्त्र विदेश नीति संचालन की नीति के कारण वह भारत की ओर उन्मुख नहीं हुआ। चीन के बढ़ते प्रभाव और भारत की बढ़ती सामर्थ्य ने अमेरिका को भारत उन्मुख होने को विवश किया है। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (आइडीएसई) के कार्यकारी परिषद के सदस्य एसडी मुनि ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भारत के 75 वर्ष मुद्दे चुनौतियां और अवसर विषय पर आधारित सेमिनार में अपने उद्बोधन में कहीं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्थापित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर से आयोजित सेमिनार के उद्घाटन सत्र में प्रो. एसडी मुनि ने भारत की विदेश नीति में दो बड़ी नीति दिखाई देती है। कोविड-19 के समय भारत ने दुनिया को वैक्सीन देकर यह कार्य भी सफलतापूर्वक किया है।

इस अवसर पर प्रो. मुनि ने बदलते विश्व में भारत की प्रांथमिकताओं की तरफ भी ध्यान आकर्षित किया। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में बोलते प्रो. एसडी मुनि
● सौ. पीआरओ

पूर्व कुलपति प्रो. संजीव शर्मा रहे। आयोजक दीनदयाल उपाध्याय पीठ के चेयर प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा विभाग के साथियों का धन्यवाद किया है। विभागाध्यक्ष प्रो. वीके राय, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. पंकज कुमार और डा. आशीषधरं त्रिपाठी और प्रो. आशीष सक्सेना उपस्थित थे।

दिनांक: 27.08.2023

रिपोर्ट

बेहतर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए धर्म स्थापना आवश्यक प्रो. नवनीत चड्ढा

राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित दीनदायल उपाध्याय पीठ, के द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्तीय सहयोग से 26, 27 अगस्त को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है 75 भारत के जिसका शीर्षक है। "मुद्दे चुनौतियां और अवसरः वर्षगोष्ठी के द्वितीय दिवस के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. नवनीत चड्ढा बेहरा ने अंतर्राष्ट्रीय संबंध के

क्षेत्र में धर्म के प्रयोग विषय पर मार्गदर्शन किया जिसमें पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संचालन में पाश्चात्य परम्परा के प्रभाव की बात की और इस क्रम में इस लिए इसमें प्रो. बेहरा ने बताया की किस प्रकार से वह विभाजन की परम्परा है शव के समस्याओं के समाधान और विकास का मार्ग प्रशस्त करने की क्षमता सीमित है क्योंकि इससे जबकि भारतीय परम्परा में धर्म जो व्यक्ति सहयोग के बजाय संघर्ष को बढ़ावा मिलता है जिसकी वजह से देश से और समाज में द्वंद नहीं वरन सहयोग और पूरकता देखती है आगे विश्व के समस्याओं के समाधान में सहायक है और मानवता की पोषक है।

समापन सत्र के मुख्य वक्ता बाबा साहेब आम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. रिपुसूदन सिंह ने मार्गदर्शन करते हुए ऐसे सिद्धान्तों के निर्माण और प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया है जो ज्ञान की परम्परा को टुकड़ों में न देखकर समग्रता में देखे आगे उन्होंने कहा की ऐसा भारतीय परम्परा में ही पाया जाता है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. वी. के. राय इलाहाबाद विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग ने किया। गोष्ठी के आयोजक पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ के चेयपर्सन प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने किया।

दिनांकः 25.09.2023

रिपोर्ट

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती कार्यक्रम -

राज्य सशक्त एवं समृध्द तभी हो सकता है, जब व्यक्ति का धर्म के अनुसार आचरण हो। राज्य के विकास के लिए व्यक्ति का परिष्कार एक पूर्व शर्त है उपरोक्त विचार **पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज** के तत्वाधान में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि के रूप में **प्रोफेसर रजनी रंजन झा** द्वारा व्यक्त किए गए। **काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान विभाग के पूर्व संकायाध्यक्ष** ने अपने उद्बोधन में कहा कि **समकालीन भारतीय राजनीति के नूतन प्रवृत्तियों की सम्यक मीमांसा के लिए 1965 में मुम्बई में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के वे चार व्याख्यान है जिसमें उन्होंने एकीकृत मानववाद की चर्चा की। वस्तुतः दीनदयाल अपने चिन्तन के माध्यम से एक**

वैकल्पिक मानव विकास की दृष्टि प्रदान की। व्यक्ति ही विकास का मूलाधार है और इस दृष्टि को उर्जा भारतीय परम्परा से मिलती है जिसमें व्यक्ति ही विराट होने की क्षमता रखता है।

अपने उद्बोधन के क्रम में प्रो. झा ने कहा कि पंडित दीनदयाल का चिन्तन वस्तुतः गांधी, विनोबा भावे एम. एन. राय के चिन्तन की तरह ही भारतीय राज्य एवं समाज के पुनरूत्थान एवं व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के पोषक है। भारतीय मूल्य एवं परम्परा को अपने आचरण का मूल मंत्र बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि प्रत्येक समाज का मूल्य होता है। हमने भारतीय मूल्यों के स्थान पर पाश्चात्य मूल्यों को अंगीकार किया, इसमें परिवर्तन की आवश्यकता है। मैक्समूलर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दर्शन, कला, साहित्य के मर्म को समझने के लिए भारत एक मात्र केन्द्र है। उन्होंने चर्चा को आगे बढाते हुए कहा कि व्यक्ति समाज और राष्ट्र के मध्य अन्योन्याश्रित सम्बन्ध हैं। प्रकृति के न्यायोचित उपभोग पर भी उन्होंने जोर दिया। अन्त में उन्होंने कहा कि परिवर्तन का आधार सद्आचरण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय विकास अधिष्ठाता **प्रो. पंकज कुमार** ने दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में शोध छात्र, स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन **डॉ. ऋतम्भरा मालवीय** ने किया। अतिथि वक्ता का परिचय डॉ. निहारिका तिवारी ने किया। अन्त में पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ, के चेयरपर्सन **प्रो. मधुरेन्द्र कुमार** ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो. अनुराधा अग्रवाल, प्रो. सुशील कुमार शर्मा, डॉ. कार्तिकेय मिश्र, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. स्मृति सुमन, डॉ. शालिनी प्रसाद, डॉ. सूर्यभान, डॉ. आशीष धर त्रिपाठी, डॉ. कपीसा,डॉ. चन्दन कुमार आदि उपस्थित थे।

दिनांकः 01.11.2023

रिपोर्ट

विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला समिति-

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला समिति व पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ के तत्वाधान में **"पश्चिमी एशिया में राज्य व गैर – राज्य अभिकर्ताओं के मध्य टकराव, इजारायल व हमास के विशेष सन्दर्भ में"** नामक विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. वी. के. रॉय ने अध्यक्षीय टिप्पणी दी। **मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. रिपु सूदन सिंह**, राजनीति विज्ञान विभाग, बाबा भीम रॉव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने अपना संभाषण दिया। व्याख्यान का संक्षिप्त परिचय पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ के प्रमुख **प्रो. मधुरेन्द्र कुमार** ने किया।

प्रो. वी. के. रॉय ने अध्यक्षीय संबोधन में राज्य व गैर – राज्य अभिकर्ताओं की इज़रायल व हमास टकराव में भूमिका को रेखांकित किया। गैर – राज्य अभिकर्ताओं की उपस्थिति ने इस टकराव के समाधान का रास्ता जटिल बना दिया है।

प्रो. रिपु सूदन सिंह ने अपने वक्तव्य में बताया –

1948 में इज़रायल एक राज्य के तौर पर अस्तित्व में आया जो कि यहुदियों के एक लम्बे समय तक उत्पीड़न का परिणाम था। यह दो धर्मों यहूदी व इस्लाम की लड़ाई है, कोई भी राज्य प्रत्यक्ष तौर पर इसमें शामिल नहीं है। जार्डन मिश्र, सीरिया सभी ने अपने हाथ पीछे खींच लिए है। केवल गैर – राज्य अभिकर्ता इज़रायल के विरूद्ध अभियान में हैं। यह स्थिति भारत की सुरक्षा समीकरणों से मिलती – जुलती है। भारत भई प्रॉक्सी युद्ध का शिकार है। अपने निष्कर्ष से प्रो. रिपु सूदन ने बताया कि फलीस्तीन कभी एक स्वतन्त्र राष्ट्र नहीं था और यह युद्ध इज़रायल व हमास के मध्य नहीं है, बल्कि इज़रायल मानवता को बचाने की जंग लड़ रहा है।

कार्यक्रम में छात्रों की बड़ी संख्या ने इसे सफल बनाया। **वरिष्ठ प्रो. पंकज कुमार**, प्रो. अनुराधा, प्रो. बुदानिया, प्रो. शाहिद व सभी फैकल्टी के सदस्य क्रार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दिनांक: 20.02.2024

रिपोर्ट

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के तत्वाधान में प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन दिनांक: 20.02.2024 को किया गया।

इस व्याख्यान श्रृंखला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एम.पी दूबे (पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय) रहे।

धर्मनिरपेक्षता को व्यापक अर्थों में समझने की आवश्यकता

प्रयागराजः वर्तमान समय में धर्मनिरपेक्षता को व्यापक अर्थों में समझने की आवश्यकता पाश्चात्य देशों में प्रचलित मान्यताओं की कसोटी पर इसे भारत में नहीं देखा जाना चाहिए। किंतु धातव्य रहे कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की व्यख्या भी त्रुटिहीन नहीं है। यह विचार मंगलवार को राजनीति विज्ञान विभाग की विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में प्रो. एम. पी. दुबे ने बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। अध्यक्षीय संबोधन में विभागाध्यक्ष प्रो. वी. के राय ने कहा कि उनके विचारों में आधुनिक समस्याओं का समाधान एक तर्कपूर्ण ढंग से किया गया है। इससे पूर्व स्वागत वक्तव्य प्रो. मधुरेन्द्र कुमार के द्वारा दिया गया। इस दौरान प्रो. पंकज कुमार, प्रो. अनुराधा अग्रवाल, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. कार्तिकेय मिश्र, डॉ. रिचा श्रीवास्तव, डॉ. राजेश सिंह रहे।

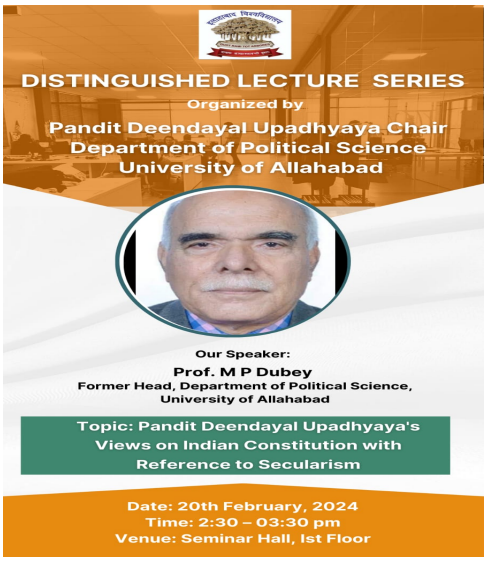

धर्मनिरपेक्षता को व्यापक अर्थों मे समझने की आवश्यकता

प्रयागराज : वर्तमान समय में धर्मनिरपेक्षता को व्यापक अर्थों में समझने की आवश्यकता है। पाश्चात्य देशों मे प्रचलित मान्यताओं की कसौटी पर इसे भारत में नहीं देखा जाना चाहिए। किन्तु ध्यातव्य रहे कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की व्याख्या भी त्रुटिहीन नहीं है। यह विचार मंगलवार को राजनीति विज्ञान विभाग की विशिष्ट व्याख्यान समिति व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तत्वावधान में अयोजित व्याख्यान शृंखला में प्रो. एमपी दुबे ने बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। अध्यक्षीय संबोधन में विभागाध्यक्ष प्रो. वीके राय ने कहा कि उनके विचारों में आधुनिक समस्याओं का समाधान एक तर्कपूर्ण ढंग से किया गया है। इससे पूर्व स्वागत वक्तव्य प्रो. मधुरेन्द्र कुमार के द्वारा दिया गया। इस दौरान डा. सूर्य भान सिंह, डा. कार्तिकेय मिश्रा, डा. आशीष धर त्रिपाठी, डा. रिचा श्रीवास्तव रहे।

दिनांकः 21.02.2024

रिपोर्ट

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, इसलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा सोरॉव विकास खण्ड में सम्पर्क व जागरूकता अभियान द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित किया गया

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीती विज्ञान विभाग की पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ के द्वारा ग्राम सम्पर्क और जागरूकता अभियान के अन्तर्गत आज 21.02.2024 दिन में प्रयागराज जनपद के सोरॉव विकास खण्ड के सभागार में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न समूहों की गतिविधियों और उनके कार्य संचालन में आने वाली कठिनाइयों और शासन स्तर से प्रदत्त विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के वस्तु स्थिति की जानकारी ली गयी।

इस कार्यक्रम में पीठ द्वारा चयनित पाँच ग्राम सभाओं जल्लूपुर, हाजीगंज असवां, कुरगांव, सधनगंज (माधोपुर), सहाबपुर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने विशेषकर भाग लिया। इसमें प्रमुख रूप से कृष्णा (एस.एच.जी), लक्ष्मी (एस.एच.जी), पूजा (एस.एच.जी), वर्षा (एस.एच.जी), सुदीक्षा (एस.एच.जी), शंकर (एस.एच.जी) के अलावा राष्ट्रीय आजीविका मिशन व बैंक सखी महिलाओं ने भी भाग लिया। इन समूह की महिलाओं द्वारा यह बताया गया कि उनके द्वारा पशुपालन व विशेष गौपालन द्वारा दूध-दही, घी, खोवा के साथ ही गोबर से बनी अगरबत्ती और मिठाई के डब्बे एवं बच्चों के टॉफी, चिप्स, पापड़ इत्यादि का भी उत्पादन किया जा रहा है किंतु इन उत्पादों को बेजने के लिए बाजार उपलब्ध नहीं है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पीठ चेयरपर्सन मधुरेंद्र कुमार ने कहा कि शीघ्र ही सोरॉव विकास खण्ड के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उत्पादों को प्रचारित, प्रसारित करने के उद्देश्य से पीठ द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में इन समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। कार्यक्रम में अन्त्योदय की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। कार्यक्रम में अन्त्योदय दर्शन पर आधारित विभिन्न योजनाओं की जानकारी खण्ड विकास

अधिकारी श्री सुनील कुमार व ब्लाक प्रमुख श्री प्रदीप कुमार पासी ने दिया। इस अवसर पर समूह की महिलाओं से राजनीती विज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. अपर्णा चौधरी ने संवाद किया।

कार्यक्रम का संचालन पीठ के रिसर्च फेलो डॉ. राजेश सिंह व धन्यवाद ज्ञापन विभाग के शोध छात्र मनजीत कुमार ने किया। इस अवसर पर ब्लाक के एडीओ श्री भूपेन्द्र प्रताप सिंह, मिशन मैनेजर श्री जगपति व पीठ के तकनीकी सहायक अनुराग कुमार यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय पीठ ने ली गोद लिए गांवों की जानकारी

जासं, प्रयागराज : इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ द्वारा सोरांव विकास खंड में संपर्क व जागरूकता अभियान द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रेरित किया गया। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न समूहों की गतिविधियों और उनके कार्य संचालन में आने वाली कठिनाइयों और शासन स्तर से प्रदत्त विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के वस्तु स्थिति की जानकारी ली। पीठ द्वारा चयनित पांच ग्राम सभाओं जल्लूपुर, हाजीगंज असवां, कुरगांव, सघनगंज (माधोपुर), सहावपुर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने विशेषकर भाग लिया। इसमें प्रमुख रूप से कृष्णा (एसएचजी), लक्ष्मी (एसएचजी), पूजा (एसएचजी)के अलावा राष्ट्रीय आजीविका मिशन व बैंक सखी महिलाओं ने भी भाग लिया। इन समूह की महिलाओं द्वारा यह बताया गया कि उनके द्वारा पशुपालन व विशेष गौपालन द्वारा दूध-दही, घी, खोवा के साथ ही गोबर से बनी अगरबत्ती और मिठाई के डब्बे एवं बच्चों के टाफी, चिप्स, पापड़ इत्यादि का भी उत्पादन किया जा रहा है किंतु इन उत्पादों को बेचने के लिए बाजार उपलब्ध नहीं है। अध्यक्षता पीठ चेयरपर्सन मधुरेंद्र कुमार ने की।

Self-help group women motivated via awareness campaign

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Pandit Deendayal Upadhyay Chair, Allahabad University, Prayagraj inspired women of self-help groups through contact and awareness campaign in Soraon Development Block. Village contact and awareness by Pandit Deendayal Upadhyay Chair, Department of Political Science, Allahabad University. Under the campaign, today on 21.02.2024, a program of dialogue was organized with the women of self-help groups in the auditorium of Soraon development block of Prayagraj district, in which the activities of various groups and the difficulties faced in their functioning and the information provided by the government level were discussed. Information about the actual status of implementation of various schemes was taken. In this program, women of self-help groups of five gram sabhas selected by the bench, Jallupur, Hajiganj Aswan, Kurgaon, Sadhanganj (Madhopur), Sahavpur, especially participated. It mainly includes Krishna (SHG), Lakshmi (SHG), Pooja (SHG), Varsha (SHG), Sudiksha (SHG), Shankar. Apart from SHGs, National Livelihood Mission and Bank Sakhi women also participated. It was told by the women of these groups that through animal husbandry and special cow rearing, they are producing milk-curd, ghee, khova as well as incense sticks and sweet boxes made from cow dung and children's toffee, chips, papad etc. But there is no market available to sell these products.

Presiding over the program, Chair Chairperson Madhurendra Kumar said that soon the Chair will organize an exhibition of the products of these groups in Allahabad University with the aim of publicizing and disseminating the products of women self-help groups of Sorav Development Block. An exhibition of Antyodaya will be organized in the programme. In the programme, information about various schemes based on Antyodaya Darshan was given by Block Development Officer Sunil Kumar and Block Chief Pradeep Kumar Pasi. On this occasion, Dr. Aparna Choudhary, teacher of the Department of Political Science, interacted with the women of the group. The program was conducted by Dr. Rajesh Singh, Research Fellow of the Chair and Manjeet Kumar, research student of the Department of Vote of Thanks. On this occasion, Block ADO Bhupendra Pratap Singh, Mission Manager Jagpati and Technical Assistant of the bench Anurag Kumar Yadav were prominently present.

दिनांक: 01.03.2024

रिपोर्ट

विश्वविद्यालय शोध एवं नवाचार केंद्र : कुलपति प्रो.संगीता श्रीवास्तव

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एक और दो मार्च को आयोजित किया जा रहा है | जिसका शीर्षक **'विकसित भारत @ 2047 : आकांक्षाएं और चुनौतियां'** है | गोष्ठी के प्रथम दिवस के उदघाटन सत्र का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया गया | माननीय कुलपति सहित अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार राय द्वारा किया गया | तत्क्रम में पीठ द्वारा तैयार की गई पुस्तक **"पंडित दीनदयाल उपाध्याय : एक समग्र चिन्तन"** का विमोचन माननीया कुलपति और मुख्य अतिथि सहित मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया | तत्पश्चात एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. निहारिका तिवारी के द्वारा संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन किया गया| जिसमें उन्होंने विकास के गुणात्मक आयाम और समावेशी पक्षों को स्पष्ट किया| विशिष्ट अतिथि प्रो. राजीव नयन, मनोहर पर्रीकर रक्षा एवं रणनीतिक संस्थान, ने विकसित भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों पर कार्य करने

की आवश्यकता और महत्त्व पर बल दिया| इसी क्रम में विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर सक्षम रक्षा प्रणाली की अनिवार्य आवश्यकता पर जोर दिया |

मुख्य अतिथि, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार, ने अपने उद्बोधन में विकसित भारत के निर्माण में आतंरिक और वाह्य चुनौतियों को रेखांकित किया | साथ ही विश्वगुरू पद की पुनर्स्थापना के लिए सनातन की समृद्ध, मूल्यपरक एवं वैभवशाली परम्परा को अपनाने पर बल दिया |

अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने विकसित भारत के निर्माण में आवश्यक विविध पक्षों पर मार्गदर्शन किया जिसमें इस बात पर विशेष बल दिया की विकसित भारत के लिये विश्वविद्यालय की भूमिका अहम है क्योंकि ये शोध एवं नवाचार के प्रमुख केंद्र है | इसलिए ये राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को तैयार कर गतिशील रचनात्मक योगदान कर सकते है और करना भी चाहिए | उदघाटन सत्र के अंतिम चरण में माननीय कुलपति सहित अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यबाद पीठ के पीठाधीश प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने किया | संचालन डॉ. स्मृति सुमन ने किया | संगोष्ठी में अन्य विशिष्ट अतिथि जिनमें प्रो. सरोज कुमार वर्मा, सेवानिवृत्त जे.पी. विश्विद्यालय छपरा, प्रो. रिपुसूदन सिंह, बी. बी.इ.यू. लखनऊ , प्रो. सी. बी. शर्मा पूर्व निदेशक एन.आई. ओ. एस. दिल्ली , प्रो. अनुराधा अग्रवाल एवं प्रो. उमेश झा उपस्थित रहे |

विकसित भारत की आकांक्षा पर रखे विचार

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर से दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। ह्यविकसित भारत @ 2047 : आकांक्षाएं और चुनौतियांह्ण विषय पर वक्ताओं ने अनुभव साझा किए। पीठ की ओर से तैयार की गई पुस्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय : एक समग्र चिन्तन का विमोचन कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव और मुख्य अतिथि ने किया।

दिनांक: 02.03.2024

रिपोर्ट

विकसित भारत के निर्माण में युवा की निर्णायक भूमिका : कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ, राजनीति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है | जिसका शीर्षक **'विकसित भारत @ 2047 : आकांक्षाएं और चुनौतियां'** है | गोष्ठी के द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि राजनीति विज्ञान विभाग के पुरा छात्र एवं कुलपति महात्मा गान्धी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, प्रो. संजय श्रीवास्तव का स्वागत उनकी शिक्षिका, गुरू प्रो. अनुराधा अग्रवाल ने किया | प्रो. श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया | इसी क्रम में उन्होंने युवा शक्ति के निर्माण विश्वविद्यालय की भूमिका को स्पष्ट किया तथा अपने छात्र जीवन के दिनों में विभाग के रचनात्मक मार्गदर्शन का उल्लेख किया | विकसित भारत के निर्माण हेतु युवाओं की रचनात्मक गतिशीलता के लिए उन्हें उन्नत मानवीय, प्रेरणास्पद महत्वाकांक्षाओं से युक्त होने पर बल दिया | इन सबके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक की भूमिका और छात्रों को मिले अवसर को उपलब्धि में बदलने हेतु मार्गदर्शन किया | इसी क्रम में उन्होंने भारत की प्राचीन गौरवशाली संस्कृति एवं परम्परा के महत्त्व को चिन्हित किया जो व्यक्ति निर्माण के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के निराकरण में भी सक्षम है |

सत्र के अध्यक्ष प्रो. आशीष सक्सेना ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विभाग की उपलब्धि के रूप में प्रो. श्रीवास्तव की उपस्थिति और उनके मार्गदर्शन को सराहा | इसी क्रम में गोष्ठी के विषय अनुरूप आवश्यकताओं की तरफ ध्यान आकर्षित किया जिसमें भारत वनाम इण्डिया के द्वंद्व के निराकरण के विविध पक्षों पर मार्गदर्शन किया | साथ ही विकसित भारत के निर्माण के लिए समग्र और समावेशी नीतियों और कार्यक्रमों पर बल दिया जिसमें शासन की उन नीतियों और कार्यक्रमों की तरफ ध्यान आकर्षित किया जो वर्तमान सरकार द्वारा चलाई जा रही है जिसमें कौशल भारत अभियान, स्टैंड अप एंड स्टार्ट अप , वंदे भारत, आवासीय और स्वास्थ्य जनित आयुष्मान भारत योजना आदि शामिल हैं | प्रो. सरोज कुमार वर्मा, जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की अहम भूमिका होने वाली है | संगोष्ठी के अंतिम चरण में पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ के पीठाधीश प्रो. मधुरेन्द्र कुमार ने अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यबाद किया | संचालन डॉ. स्मृति सुमन ने किया | गोष्ठी में प्रो. रिपुसूदन सिंह, प्रो. इन्द्रजीत सिंह सोढी, प्रो. सी. बी. शर्मा , प्रो. उमेश कुमार झा ,प्रो. अनिसुर रहमान, डॉ. नीलिमा सिंह , प्रो. राजीव नयन , डॉ. निहारिका तिवारी ,डॉ. रितम्भरा मालवीय, डॉ. कार्तिकेय मिश्र,डॉ. आशीषधर त्रिपाठी, डॉ. राजेश कुमार सिंह,कविता पांडे ,तनु श्रीवास्तव,अमित, अनुराग कुमार यादव , गुलशन आदि उपस्थित रहे |

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका विशे

संगोष्ठी

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर किया गया आयोजन

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शनिवार को विकसित भारत @ 2047: आकांक्षाएं और चुनौतियां विषय पर व्यापक चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि राजनीति विज्ञान विभाग के पुरा छात्र एवं महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित और युवा शक्ति के निर्माण विश्वविद्यालय की भूमिका को स्पष्ट किया। कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं की रचन गतिशीलता के लिए उनमें मान प्रेरणास्पद महत्वाकांक्षाओं जैसे का विकास आवश्यक है। अध कर रहे प्रो. आशीष सक्सेना ने बनाम इंडिया के द्वंद्व के निराक विविध पक्षों पर मार्गदर्शन किय सरोज कुमार वर्मा ने कहा कि वि भारत के निर्माण में युवा श अहम भूमिका होने वाली है। प्रो. कुमार ने अतिथियों और प्रति का धन्यवाद किया। संचालन ड सुमन ने किया। डॉ. आशीष धर प्रो. रिपुसूदन सिंह, प्रो. इन्द्रज सोढी, प्रो. सीबी शर्मा आदि र